# ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय

## कमेश्वरनगर, दरभंगा

पी-एच.डी. उपाधि हेतु प्रस्तावित मानविकी संकाय (मैथिली) विषयक

# शोध-प्रारूप

प्रस्तावित शोधक विषय –

"उग्रनारायण मिश्र 'कनक'क जीवन ओ साहित्य : विश्लेषनात्मक अध्ययन"


शोध निर्देशक–

प्रो. (डॉ.) दमन कुमार झा
प्राचार्य एवं अध्यक्ष
विश्वविद्यालय मैथिली विभाग
ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय
दरभंगा . पिन-846004.

शोधार्थी –

30/03/2024

अम्बालिका कुमारी
PAT-2021-22, NET/JRF
क्रमांक : E2211016
ग्राम- अहियारी गोट,
पोस्ट .-कमतौल,
थाना - कमतौल,
दरभंगा . पिन--847304.

# उग्रनारायण मिश्र 'कनक'क जीवन ओ साहित्यक : विश्लेषनात्मक अध्ययन

उग्रनारायण मिश्र 'कनक' मैथिली साहित्यमे बहुविध साहित्यकार रूपमे परिगणित छथि।ओ साहित्यक विभिन्न विधामे समान गति सँ लिखलनि। ई जेहने मांजल कवि छलाह, तेहने सशक्त कथाकार, ई जेहने सुविख्यात अनुवादक छलाह, तेहने दृष्टिसंपन्न पत्रकार। हिनका कोनो एक खोपमे बान्हब कठिन अछि। एक संग ई स्थापित साहित्यकार, प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता, कुशल सम्पादक एवं वरिष्ठ पत्रकार रूपमे ख्यात छलाह। हिनक सम्पर्क लोकनायक जयप्रकाश नारायण, पं. रामनन्दन मिश्र, बाबू सूरज नारायण सिंह, डा. राम मनोहर लोहिया, कर्पूरी ठाकुर आदिसँ छलनि।मैथिली भाषा आ साहित्यक आन्दोलन सँ हिनका बहुत पुरान सरोकार रहलनि अछि। मैथिलीक आंदोलनी व्यक्तित्व डा० कांचीनाथ झा 'किरण', कविशेखर बद्रीनाथ झा, लोक साहित्यकार ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म', समीक्षक रमानाथ झा, राय बहादुर शिवशंकर झा, कविचूड़ामणी काशीकान्त मिश्र 'मधुप', सम्पादक सुधांशु शेखर चौधरी, पं० चन्द्रनाथ मिश्र 'अमर', पं० सुरेन्द्र झा 'सुमन', डा० रमाकर, वैदेहीक सम्पादक कृष्णकान्त मिश्र, आचार्य सोमदेव, डा० जयधारी सिंह 'प्रभाकर', आदि अनेक मैथिली साहित्यकार लोकनिक सानिध्य मे रहि हिनका मैथिलीक सेवा करबाक सुअवसर भेटैत रहलनि अछि। जखन हम शोध करवाक लेल विषयक ताकमे छलहुँ, तँ हम अपन शोध निर्देशक आ विभागाध्यक्ष प्रो दमन कुमार झा लग प्रसिद्ध साहित्यकार ओ पत्रकार उग्रनारायण मिश्र 'कनक'क जीवन ओ साहित्य विषय पर शोध करवाक प्रस्ताव रखलहुँ। तँ ओ सहज स्वीकार क' लेलनि। उग्रनारायण मिश्र 'कनक' पर शोध करैत हम मिथिला,मैथिली आंदोलन आ मैथिली साहित्यक विभिन्न विधा पर हुनक कयल गेल काजक विषयमे विषद जानकारी प्रस्तुत करव।

## उद्देश्य

माता श्रीमती यमुना देवी पिता पं. मार्कण्डेय मिश्रक संतान उग्रनारायण मिश्र 'कनक'क जन्म 6 सितम्बर 1926 ई कें मकरंदा, मनीगाछी, दरभंगामे भेलनि।साहित्यभूषण केलाक पश्चात् ई मुख्य रूप सं पत्रकारिता दिस प्रवृत भेलाह।

साहित्यकारक रूपमे ई अद्भुत छलाह. लगभग अधिकांश विधा पर ई कलम चलौलनि आ सफल रहलाह. हिनक अद्यावधि सात गोट मैथिली पुस्तक प्रकाशित अछि, जाहिमे तीन गोट कथा संग्रह, एक- एक गोट कविता,जीवनी, अनुवाद आ गल्प थिक। यथा :- 'प्रेम'( अनुवाद )1952 ई., गोपालबाबू ( मैथिलीक प्रथम जीवनी)1968ई. , हम किछु बजैत छी (गल्प ) 1975, चनरी (मैथिली कथा संग्रह) 1999 ई., हम नीलकंठ (मैथिली कविता-संग्रह) 2006 ई., जुबैदा (मैथिली कथा संग्रह)2011ई., कथा कनक ( मैथिली कथा संग्रह )2015ई.।

एकर अतिरिक्त हिनक मिथिला-मिहिर, वैदेही, मिथिला दर्शन, निर्माण, मिथिलादीप, मिथिला आलोक, कर्णामृत, भारती मंडन आदि पत्रिकामे कतेको रचना प्रकाशित छनि ।

हिनक कथा संग्रह 'जुबैदा'क प्रसंग श्री अजीत आजादक कथन छनि -

"मैथिलीमे मुस्लिम समाजक स्थिति-परिस्थितिपर आधारित कथा सभक संख्या अल्प अछि जखन कि मिथिलामे मुस्लिम आबादी कम नहि अछि। मिथिलामे रहयबला मुसलमान मैथिल संस्कृतिक अभिन्न अंग छथि,तखन ओ लोकनि मैथिली खिस्साक नायक किएक नहि बनि पाबि रहल छथि? ई एकटा चिन्तनीय प्रश्न अछि? कनक जी एहि चिन्ताकें चुनौतीक रूपमे लैत एहि संग्रहक नाम 'जुबैदा' रखलनि अछि। मैथिलीक ई प्रायः प्रथम संग्रह थिक जकर नामकरण निम्नवर्गीय मुस्लिम महिला चरित्रक नामपर राखल गेल अछि। एहि संग्रहक सभटा कथा मनुष्यताक उच्चतम आदर्श दिस उत्प्रेरित करैत अछि।" "" (अजीत आज़ाद , जुबैदा )

एहन एकटा कथा अछि 'स्वधर्म'। एहि कथामे पंडित जी आ मनीर मियाँक माध्यमे साम्प्रदायिक सद्भावपर नव ढंगसँ विचार कएल गेल अछि। पंडित जीक एहि पातीके आत्मसात करबाक खगता आइ सगर देशकेँ छैक
"मनीर, हिन्दू आ मुसलमानमे कोनो फर्क नहि छैक। आत्मा पवित्र रहक चाही।"

एहन कथाकार कें फरिच्छमे आनब आ हुनक विपुल साहित्यक विभिन्न विधासं परिचय करायब हमर उद्देश्य अछि।

## प्रस्तावित विषय पर शोधकार्य

उग्रनारायण मिश्र 'कनक'क जीवन ओ साहित्य : विश्लेषनात्मक अध्ययन विषय पर हमारा जनैत एखन धरि कोनो शोधकार्य नहि भेल अछि। एहि शोधकार्यसं उग्रनारायण मिश्र 'कनक'क (साहित्य सं तं अवगत होयबे करब संगहि ओकर दूरगामी प्रभाव सं सेहो अवगत होयब। एहिमे हुनक )सम्पूर्ण साहित्यक मूल्यांकन कयल जायत। ई शोधकार्य मैथिली साहित्यक क्षेत्रमे नव होयत। एहिसँ मैथिली आलोचना विधा तँ पुष्ट होयबे करत, संगहि तत्कालीन कथा, कविता, जीवनी,अनुवाद साहित्यक स्थिति कें देखल जा सकैत अछि।

## सामग्री -स्रोत

उग्रनारायण मिश्र 'कनक'क जीवन ओ साहित्य : विश्लेषनात्मक अध्ययन विषय सं सम्बंधित अधिकांश पोथी, यथा - मैथिली साहित्यक इतिहास-डॉ. दुर्गा नाथ झा श्रीश, मैथिली साहित्यक इतिहास-डॉ. जयकान्त मिश्र, मैथिली साहित्यक आलोचनात्मक इतिहास-डॉ. दिनेश कुमार झा, मैथिली साहित्यक रुपरेखा---सं. डॉ. वासुकी नाथ झा, परिचायिका -- भीमनाथ झा, मन आँगन मे ठाढ़ -- भीमनाथ झा,मैथिली कथाक विकास - वासुकी नाथ झा, कथा संग्रह- सं० डॉ० अमरेश पाठक, मोहन भारद्वाज, कथा गोष्ठी - मोहन भारद्वाज, आधुनिक मैथिली कविताक प्रवृति - दुर्गानाथ झा श्रीश, मैथिली गयक विकास सं. -- मोहन भारद्वाज आदि पोथी हमरा लग अछि।

एकर अतिरिक्त अनेक पोथी विभिन्न लेखकक निजी पुस्तकालय, केन्द्रीय पुस्तकालय वा अन्य जगह सँ प्राप्त क' विषद अध्ययन कयल जायत.

## शोध-पद्धति / कार्यप्रणाली

एहिमे उग्रनारायण मिश्र 'कनक'क साहित्यक विभिन्न विधाक अध्ययन कयल जायत। कथा, कविता, जीवनी आ अनुवाद साहित्यक अंतर्गत प्रकाशित विभिन्न पुस्तकक विषद अध्ययन कयल जायत। विभिन्न पत्र-पत्रिकामे प्रकाशित उग्रनारायण मिश्र 'कनक'क कथा, कविता, जीवनी आ अनुवाद साहित्य पर आधरित निबंध, समीक्षा कें शोधक अंतर्गत शामिल कयल जायत। शोधकार्य मुख्य रूपसं समालोचनात्मक एवं विश्लेषणात्मक रहत। हम अपन शोधक शीर्षक ओ अध्याय-क्रम निम्नलिखित रूपें प्रस्तावित करैत छी, जाहिमे विशेष प्रयोजन पड़ला पर आंशिक संशोधनों वांछित होयत।

अम्बालिका कुमारी

शोध-प्रबन्धक अध्याय क्रम

.....

अध्याय

प्रस्तावना

प्रथम अध्याय

उग्रनारायण मिश्र 'कनक'क जीवन ओ साहित्य

द्वितीय अध्याय

'कनक'जीक कथा साहित्य

तृतीय अध्याय

'कनक'जीक कविताक स्वर

चतुर्थ अध्याय

'कनक'जीक जीवनी लेखन

पांचम अध्याय

'कनक'जीक अनुवाद साहित्य

उपसंहार

परिशिष्ट

क. कनक जीक पत्र-पत्रिका मे प्रकाशित रचना संसार

ख. अधीत ग्रन्थ सूची

अम्बालिका कुमारी

## शोध-प्रबंधक संभावित रुपरेखा

### प्रस्तावना

एहिमे शोधप्रबंध लिखबाक प्रेरणा आ उग्रनारायण मिश्र 'कनक' क साहित्यक विभिन्न विधाक संक्षिप्त विवरण रहत।

### <u>प्रथम अध्याय</u>

**उग्रनारायण मिश्र 'कनक'क जीवन ओ साहित्य**

एहि अध्यायमे उग्रनारायण मिश्र 'कनक' क जीवन , आंदोलनी छवि आ हुनक साहित्यक विशद वर्णन रहत।

### <u>द्वितीय अध्याय</u>

**'कनक'जीक कथा साहित्य**

कनकजी खिसक्कड़ रहथि । खिस्सा रचबाक हुनक शैली मैथिलीक पारम्परिक शैलीसँ कनेक भिन्न रहनि। यैह विलक्षणता हिनका मैथिली कथा साहित्यक क्षेत्रमे बेछप आ विशिष्ट बनवैत छनि। कनकजीक कथा संग्रह जुबैदामे मुस्लिम महिलाक सांस्कृतिक एवं आर्थिक पक्ष बहुत फरीछ भ' सामने आयल अछि। जुबैदा नामक शीर्षक कथामे आर्थिक विपन्नताक चित्र बहुत द्रवित भ' क' उकेरल गेल अछि। अपन बेटीक विवाह लेल जमा पूंजीकें अगिलग्गीमे भस्मभूत होइत देखि ओकर मुँह सँ कोना चित्कार निकलि जाइछ --"सभटा मनोरथ जुबैदाक धयलक-धयले रहि गेलनि। एकटा पाठी छलनि सेहो जरि गेलनि। हमरा देखितें ओ भोकारि पारिक' कानए लगलीह। छाती पीटैत घाना करए लगलीह-"हो...वा...बाबू हो...बाबू....ए...क..टा पाठी. ...रहलै हो..ओ..हो...जरि गेलै हो बाबू..! माय गो...माय...हो...बाबू...जैतुन के बियाह कोना...हे. तै हो बाबू हो बाबू हो बाबू।"

तहिना चनरी कथामे कंचन खबास आ चनरीक जातिगत सरोकार कें उजागर कयल गेल अछि । कमतिया सन चरित्र एहि समाजमे सगरो देखल जा सकैछ।परंच चनरी सन चरित्रक अभाव हरदम रहलैक अछि । 'कपड़ा तऽर मे सभ नाङट अछि' चनरीक ई कथन अक्षरशः सत्य थिक । समाज कें निष्कलुष बनयबा हेतुएँ कमतिया सन चरित्रक प्रतिवाद एवं चनरी सन चरित्रक निर्माण हैब आवश्यक अछि।

'जुबैदा', 'चनरी' संग 'कथा-कनक' क माध्यमसं सम्पूर्ण कथाक विशिष्टताकें विस्तारसँ समीक्षा कयल जायत।

अम्बालिका कुमारी

तृतीय अध्याय

## 'कनक'जीक कविताक स्वर

कनक जीक कविताक भाषा सहज आ सुबोध अछि। ठाम-ठाम व्यंग्यक पुट कथ्यकेँ निखारि दैत अछि आ कविताकेँ आकर्षक ओ चोख बनबैत अछि। 'हम नीलकंठ' नामक एकमात्र कविता संग्रहमे विभिन्न सन्दर्भ आ विभिन्न रुचिक कविताक समावेशक भेल अछि। कवि स्वाधीनताक सपना देखैत कहैत छथि जे की एहने स्वाधीनताक सपना हमर स्वाधीनता सेनानी लोकनि देखने छलाह? नहि, कथमपि नहि, साठिक पश्चातेसँ तँ लोकक मोहभंग होमए लगलैक आ आइ स्थिति कतए धरि पहुँचि चुकल अछि, तकर चित्रण करैत स्वाधीनता संग्रामी कनक जी कहैत छथि -

"नेता वा राजनेता छथि जोगारमे लागल राजारौं रंकधरि हुनक सेयामे याझल पिआ कऽ जनताकेँ अगाय भाषणक मदिर अप्पन जेबी भरैत चलू, भरैत चलू। राष्ट्रक एकता वहसक विषय मात्र चर्च एकर आय व्यर्थ करै छी ठाढ़कए उमेदवनार जातिक, राष्ट्रिय एकताक गखौल उड़बैत चलू, उड़बैत चलू। औ! बिसरल किए देश गजनी कैं? भेद मात्र स्वदेशी ओ विदेशीक छै राष्ट्रधर्मकेँ राखि ताखपर देशक इज्जति लुटबैत चलू, लुटबैत चलू।"

संग्रहमे विभिन्न सन्दर्भ आ विभिन्न रुचिक कविताक समावेश भेल अछि। भाषा सहज आ सुबोध अछि ।

एहन कतेको कविता विशद वर्णन एहि अध्याय कयल जायत ।

चतुर्थ अध्याय

## 'कनक'जीक जीवनी लेखन

कनक जी अपन जीवनमे बहुत गोटेसं संपर्कमे रहलाह। राजनेता सं ल साहित्यकार मध्य ई सभक स्नेह पात्र बनल रहलाह। ओहीमे किछु ओहनो व्यक्ति होइत छथि जे अपन जीवन आदर्शसं प्रभावित करैत छथि।आ ओ व्यक्ति मानस पटल पर सदा सर्वदाक लेल अमिट भ जाइत छथि। ओहने व्यक्ति छथि गोपालबाबू, जिनकर जीवनी सं नहि केवल कनक जी अपितु आगू बला पीढ़ी सेहो लाभान्वित होइत रहताह । मैथिली साहित्यमे जे जीवनी लिखल गेल अछि ताहिमे ई प्रमुख अछि, तें एहि अध्यायमे गोपालबाबूक मादे जीवनी साहित्यक विशद व्याख्या प्रस्तुत कयल जायत।

पंचम अध्याय

## 'कनक'जीक अनुवाद साहित्य

प्रेमक जाहि अमृत के पीबि मीरा अमर भेलीह, चैतन्य देवत्व के प्रास कयलनि , गांधी मानवताक उद्धार कयलनि , एहने प्रेम पर आधारित पुस्तक अछि बंगला सं मैथिलीमे अनुदित 'प्रेम'।जकरा उग्रनारायण मिश्र 'कनक' अपन अनुवाद कौशल सं अमरत्व प्रदान कयलनि।एहि अध्यायमे अनुवाद कौशल एवं विषय वस्तु पर विस्तार सं विवेचन कयल जायत।

उपसंहार

शोध प्रबंधक सम्पूर्ण सारसंक्षिप्त रूपमे रहत एवं एकर उपयोगिताक मूल्यांकन करैत सम्पूर्ण विवेचनक निष्कर्ष रहत।

**परिशिष्ट :**

क. कनक जीक पत्र-पत्रिकामे प्रकाशित रचना संसार

ख. अधीत ग्रन्थ सूची

**अधीत ग्रन्थ-सूची निम्नलिखित अछि-----**

1. श्रीश डॉ. दुर्गा नाथ झा, 1977,मैथिली साहित्यक इतिहास, भारती पुस्तक केंद्र, दरभंगा।

2. मिश्र डॉ. जयकान्त , 1998 मैथिली साहित्यक इतिहास, साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली।

3. झा डॉ. दिनेश कुमार, 1979, मैथिली साहित्यक आलोचनात्मक इतिहास-, मैथिली अकादमी, पटना।

4. झा सं. डॉ. बासुकी नाथ, 2006,मैथिली साहित्यक रुपरेखा, चेतना समिति, वियापति भवन, पटना।

5.मिश्र, मायानन्द, 2017, मैथिली साहित्यक इतिहास, किसुन संकल्प लोक, सुपौल।

6.झा, भीमनाथ , 1985, परिचायिका, भवानी प्रकाशन, मुसल्लहपुर, पटना।

7. मिश्र, उग्रनारायण 'कनक', 2016 गोपालबाबू( मैथिलीक प्रथम जीवनी), नवारम्भ प्रकाशन, मधुवनी।

8. मिश्र,उग्रनारायण 'कनक',1975 हम किछु बजैत छी (गल्प)

9. मिश्र,उग्रनारायण 'कनक',1999 चनरी (मैथिली कथा संग्रह), श्रीमती रमादेवी मिश्र, मकरन्दा,मनीगाछी, दरभंगा

10. मिश्र, उग्रनारायण 'कनक', 2011,जुबैदा- (मैथिली कथा संग्रह) नवारम्भ प्रकाशन, मधुबनी।

11. मिश्र, उग्रनारायण 'कनक',, 2006 हम नीलकंठ- (मैथिली कविता-संग्रह) साहित्यिकी, सरिसब पाही , मधुबनी।

12. मिश्र , उग्रनारायण 'कनक',,2015 कथा कनक -( मैथिली कथा संग्रह )नवारम्भ प्रकाशन, मधुवनी।

13. मिश्र,उग्रनारायण 'कनक' 2016 द्वितीय,प्रेम- (अनुवाद), नवरम्भ प्रकाशन, मधुबनी।

सुभाषिका कुमारी

14. भारद्वाज, सं.मोहन ,1996 मैथिली गद्यक विकास, साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली।

15. पाठक, सं. डॉ० अमरेश , मोहन भारद्वाज, कथा संग्रह, अजय प्रकाशन, पटना।

16. झा, दमन कुमार , 2014, वस्तुनिष्ट, साहित्यिकी प्रकाशन, सरिसब पाही, मधुबनी।

17. मेहता, अशोक कुमार,2014 व्यक्तिवाचक, जखन तखन, सांस्कृतिक मंच, दरभंगा।

18. मेहता, सं अशोक कुमार, 2012 ,संप्रति, मैथिली विभाग,चंद्रधारी विज्ञान महाविद्यालय, दरभंगा।

19. मेहता,अशोक कुमार,2004, तात्पर्य, जखन तखन, सांस्कृतिक मंच, दरभंगा।

20. अविचल, अशोक, मैथिली उपन्यासक विकास, 2016, साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली-1.

शोधार्थी –
अम्बालिका कुमारी
30/03/2024
अम्यालिका कुमारी
PAT-2021-22, NET/JRF
क्रमांक : E2211016
ग्राम- अहियारी गोट,
पोस्ट .-कमतौल,
थाना - कमतौल,
दरभंगा . पिन--847304.

शोध निर्देशक –
दमन कुमार झा 30/3/24
प्रो. (डॉ.) दमन कुमार झा
प्राचार्य एवं अध्यक्ष
विश्वविद्यालय मैथिली विभाग
ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय
दरभंगा . पिन-846004.